

To solve the Problem of Rain Water accumulation

***1684. SMT. RENU BALA, MLA.:** will the Chief Minister be pleased to state:-.

- a) Whether it is a fact that there is no provisions to solve the problem of rainy water accumulation on the land of dozens of villages adjacent to road from Sarawan to Jagadhari in Sadhaura Assembly Constituency; and
- b) If so, the time by which the above said problem is likely to be solved by the government togetherwith the details there of?

Sh. Manohar Lal, Chief Minister, Haryana.

- a) No, Sir.
- b) Sir, The villages adjacent to road from Sarawan to Jagadhari where water gets accumulated in agricultural fields are Manakpur, Painsal, Chaharwala, Haibatpur, Malakpur, Pabni Kalan, Shekhupura, Judda Jattan, Meheswari, Nagla Jagir, Mandhar, Judda Shekhan, Mehlawali & Jiwarheri.

As of now, VT pumps are installed in the fields to pump-out the rainy water into the nearby drains as and when required.

In villages Manakpur, Painsal, Chaharwala, Haibatpur, Malakpur, Maheshwari & Nagla Jagir, for providing long-lasting and sustainable solutions, the schemes of laying underground pipe line to dispose off the rainy water into nearby Drain i.e. Chautang Nallah shall be proposed in next meeting of Haryana State Flood Control Board as per site conditions and feasibility.

In villages Pabni kalan, Judda Jattan, Judda Shekhan, Shekhupura, Mehlawali, Jiwarheri & Mandhar the problem of water accumulation will be solved to a great extent after Sarasvati River is revived here, wherein the rain water of these villages will be drained out.

The aforementioned problem is likely to be resolved by December, 2024.

जल संचय की समस्या का समाधान करना।

***1684.** श्रीमती रेनू बाला, एम0एल0ए0 : क्या मुख्यमंत्री कृपया बताएंगे कि—

- (क) क्या यह तथ्य है कि साढ़ौरा विधान सभा निर्वाचनक्षेत्र में सरावां से जगाधरी तक सड़क के साथ लगते दर्जनों गांवों की भूमि पर बरसाती जल संचय की समस्या का समाधान करने का कोई प्रावधान नहीं है; तथा
- (ख) यदि हां, तो उपरोक्त समस्या का समाधान कब तक किये जाने की संभावना है तथा उसका ब्यौरा क्या है?

श्री मनोहर लाल, माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा

- (क) नहीं, श्रीमान जी।
- (ख) श्रीमान जी, सरावां से जगाधरी तक की सड़क से सटे गांव जहां कृषि क्षेत्रों में पानी जमा हो जाता है, वे गांव मानकपुर, पेन्सल, चाहरवाला, हेबतपुर, मलकपुर, पाबनी कलां, शेखूपुरा, जुड़ड़ा जट्टा, महेश्वरी, नगला जागीर, मंधार, जुड़ड़ा शेखां, महलवाली और जिवरहेरी है।
- अब तक, खेतों में बारिश के पानी को जरूरत पड़ने पर पास की ड्रेनों में पंप करने के लिए वीटी पंप लगाए जाते हैं।
- दीर्घ कालीन एवं स्थायी समाधान उपलब्ध करवाने के लिए गांव मानकपुर, पेन्सल, चाहरवाला, हेबतपुर, मलकपुर, महेश्वरी और नगला जागीर में बरसात के पानी को पास के नाले यानी चौटांग नाले में डालने के लिए भूमिगत पाइप लाइन बिछाने की योजना हरियाणा राज्य बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की अगली बैठक में प्रस्तावित की जाएगी।
- गांव पाबनी कलां, जुड़ड़ा जट्टा, जुड़ड़ा शेखां, शेखूपुरा, महलावली, जिवरहेरी और मंधार गांवों में पानी जमा होने की समस्या सरस्वती नदी को पुनर्जीवित करने के बाद काफी हद तक हल हो जाएगी जिसमें इन गांवों का बारिश का पानी निकल जाएगा।
- उपरोक्त समस्या का समाधान दिसम्बर, 2024 तक होने की संभावना है।